

२००८ के मुंबई हमले

२६ नवंबर २००८ मुंबई में श्रेणीबद्ध गोलीबारी

2008 के मुंबई हमले नवंबर 2008 में हुए आतंकवादी हमले के एक समूह थे, जब पाकिस्तान में स्थित एक इस्लामी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मुंबई में 10 सदस्य ने मुंबई में चार दिन तक चलने वाली 12 समन्वय शूटिंग और बम विस्फोट की एक श्रृंखला को अंजाम दिया।^{[10][11][12]} हमले जिनकी व्यापक रूप से

वैश्विक निंदा की गई बुधवार, २६ नवंबर को शुरू हुए और शनिवार, २९ नवंबर २००८ तक चले, १५५ लोगों की मौत हो गई और कम से कम ३०८ घायल हो गए।^{[2][13]}

२००८ मुंबई हमले



२००८ मुंबई हमलों की लोकेशन्स

स्थान

मुंबई, भारत

- लियोपोल्ड कैफे
- छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस
- ताज महल पैलेस होटल
- ओबेराय ट्राइडेंट

	<ul style="list-style-type: none"> • <u>कामा अस्पताल</u>
<u>निर्देशांक</u>	<ul style="list-style-type: none"> • <u>नरीमन हाउस</u> <u>18°55'20"N 72°49'57"E /</u> <u>18.922125°N</u> <u>72.832564°E</u>
<u>तिथि</u>	<p>26 नवम्बर 2008-</p> <p>29 नवम्बर 2008</p> <p>23:00 (26/11)-08:00</p> <p>(29/11) (<u>आईएसटी</u>, <u>यूटीसी</u> <u>+05:30</u>)</p>
<u>हमले का प्रकार</u>	<u>बमबारी</u> , <u>गोलीबारी</u> , <u>बंधक</u> <u>संकट</u> , ^[1] <u>घेराबंदी</u>
<u>हथियार</u>	<u>एके-47</u> , <u>आरडीएक्स</u> , <u>आईईडी</u> , <u>ग्रेनेड</u>
<u>मृत्यु</u>	लगभग १५५ ^[2]

घायल	६००+[२]
पीड़ित	पूरी सूची के लिए <u>हताहत सूची</u> देखें
हमलावर	<u>जकी उर रहमान लखवी</u> [३][४] और <u>लशकर-ए-तैयबा</u> [५][६][७]
भागीदार संख्या	10
संरक्षक	<ul style="list-style-type: none"> • <u>राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड</u>[८][९] • <u>मारकोस</u> • <u>मुंबई पुलिस</u> • <u>इंडियन एटीएस</u> • <u>मुंबई फायर ब्रिगेड</u>

छत्तीपति शिवाजी टर्मिनस, ओबेरॉय ट्राइडेंट^[14], ताज पैलेस एंड टॉवर,^[14] लियोपोल्ड कैफे, कामा अस्पताल, नरीमन हाउस यहूदी समुदाय केंद्र, मेट्रो सिनेमा और टाइम्स ऑफ इंडिया बिल्डिंग और सेंट जेवियर कॉलेज के पीछे एक लेन में आठ हमले हुए। मुंबई के बंदरगाह क्षेत्र में माजगाव में और विले पार्ले में एक टैक्सी में एक विस्फोट हुआ था। 28 नवंबर की सुबह तक, ताज होटल को छोड़कर सभी साइटों को मुंबई पुलिस विभाग और सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षित किया गया था। 29 नवंबर को, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने शेष हमलावरों को फ्लश करने के लिए 'ऑपरेशन ब्लैक टोर्नेडो' का आयोजन किया; यह ताज

होटल में अंतिम शेष हमलावरों की मौत के साथ समाप्त कर दिया।^[14] ^[15]^[16]^[17]^[18]

अजमल कसाब ने खुलासा किया कि हमलावर अन्य लोगों के बीच लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य थे।^[19]^[20]^[21] भारत सरकार ने कहा कि हमलावर पाकिस्तान से आए और उनके नियंत्रक पाकिस्तान में थे।^[22] 7 जनवरी 2009 को, पाकिस्तान ने इस बात की पुष्टि की कि हमलों का एकमात्र जीवित अपराधी पाकिस्तानी नागरिक था।^[23] 9 अप्रैल 2015 को, हमले के अग्रणी षड्यंत्रकारी, जकीउर रहमान लखवी को पाकिस्तान में 200,000 (यूएस \$ 1,900) की ज़मानत बांड पर जमानत दी गई थी।^[24]^[25]

पृष्ठभूमि



11 जुलाई 2006 ट्रेन बम विस्फोट के दौरान मुंबई में माहिम स्टेशन में बम-क्षतिग्रस्त कोचों में से एक

13 समन्वित बम विस्फोटों के बाद से मुंबई में कई गैर-राज्य हमले हुए, जिसमें 257 लोगों की मौत हुई और 700 घायल हो गए।^[26] माना जाता है कि 1993 के हमले बाबरी मस्जिद विध्वंस के बदले में थे।^[27]

6 दिसंबर 2002 को, घाटकोपर स्टेशन के पास एक BEST बस में एक विस्फोट में दो लोग मारे गए और 28 घायल हो गए।^[28] अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस की 10वीं वर्षगांठ पर बम विस्फोट हुआ था।^[29] मुंबई में विले पार्ले स्टेशन के पास एक साइकिल बम विस्फोट हुआ, जिसमें 27 जनवरी 2003 को एक व्यक्ति की मौत हो गई और 25 को घायल हो गया, भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की यात्रा से एक दिन पहले।^[30] 19 मार्च 2003 को, 1993 बंबई बम विस्फोट की 10वीं वर्षगांठ के एक दिन बाद, मुलुंड स्टेशन के निकट एक ट्रेन डिब्बे में एक बम विस्फोट हुआ, जिसमें 10 लोग मारे गए और 70 घायल हो गए।^{[31][32]} 28 जुलाई 2003 को,

घाटकोपर में एक BEST बस में एक विस्फोट में 4 लोग मारे गए और 32 घायल हुए।^{[33][34]} 25 अगस्त 2003 को, दक्षिण मुंबई में दो बम विस्फोट हुए, एक गेटवे ऑफ़ इंडिया के पास और दूसरे कलबादेवी के झवेरी बाज़ार में। कम से कम 44 लोग मारे गए और 150 घायल हुए। 11 जुलाई 2006 को मुंबई में उपनगरीय रेलवे में 11 मिनट के भीतर सात बम विस्फोट हुए, 22 विदेशियों सहित 35 लोग मारे गए^{[35][36][37]} और 700 से अधिक घायल हुए।^{[38][39]} मुंबई पुलिस के अनुसार, बम विस्फोट लश्कर-ए-तैयबा और स्टुडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ़ इंडिया (सिमी) द्वारा किया गया था।^{[40][41]}

प्रशिक्षण

26 पुरुषों के एक समूह, कभी-कभी 24 ने मुज़फ़्फराबाद के पहाड़ी इस्लाके में एक दूरदराज के शिविर में समुद्री युद्ध में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण का एक हिस्सा मंगला बांध भंडार पर हुआ था।^{[42][43]}

भारतीय और अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक प्रशिक्षण के निम्नलिखित चरणों में रंगरूटों को गुज़ारा गया:

- मनोवैज्ञानिक: इस्लामवादी विचारों में यकीन दिलाना, भारत, चेचन्या, फिलिस्तीन और विश्व भर में पीड़ित मुसलमानों के चित्रों का प्रयोग।^[44]

- बुनियादी कॉम्बैट: लश्कर के मूल युद्ध प्रशिक्षण और कार्यप्रणाली पाठ्यक्रम, दौरा आम
- उन्नत प्रशिक्षण: मनसेहरा के निकट एक शिविर में उन्नत कॉम्बैट प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए चुना गया, एक कोर्स जिसे संगठन दौरा खास कहता है। अमेरिकी रक्षा विभाग में एक अनाम स्रोत के अनुसार, पाकिस्तान सेना के सेवानिवृत्त कर्मियों द्वारा निगरानी में उन्नत हथियार और विस्फोटक प्रशिक्षण शामिल हैं,^[45] साथ ही सर्वाइवल प्रशिक्षण और आगे की शिक्षा के साथ।
- कमांडो ट्रेनिंग: अंत में, मुंबई को लक्षित करने के लिए एक छोटे समूह को चयनित कमांडो रणनीति

प्रशिक्षण और समुद्री नौ नेविगेशन ट्रेनिंग के लिए चुना गया और उन्हें फिदायीन यूनिट को सौंपा गया।^[46]

छात्रों से, 10 को मुंबई मिशन के लिए चुना गया था।^[47] उन्होंने तैराकी और नौकायन में प्रशिक्षण प्राप्त किया, साथ ही एलईटी कमांडरों की देखरेख में हाई एंड हथियारों और विस्फोटकों के इस्तेमाल भी सिखाया गया। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व रक्षा विभाग के अधिकारी का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने यह तय किया था कि पाकिस्तानी सेना और इंटर सर्विस इंटेलिजेंस एजेंसी के पूर्व अधिकारी प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से और निरंतर

सहायता करते थे।^[48] उन्हें सभी चार लक्ष्यों के खाके दिए गए थे - ताज महल पैलेस होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट, नरीमन हाउस और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस।

हमले

पहली घटनाएं 26 नवंबर को 20:00 भारतीय मानक समय (आईएसटी) में विस्तृत थीं, जब फूलने वाली स्पीडबोट में 10 लोग कुलाबा के दो स्थानों पर तट पर आए थे। उन्होंने कथित तौर पर स्थानीय मराठी-बोलने वाले मछुआरों ने इन लोगों के अलग होने से पहले पूछा था कि वे कौन हैं इन्होंने कहा कि 'अपने काम से काम रखों'। मछुआरों ने बाद में पुलिस विभाग को रिपोर्ट

किया पर उन्हें स्थानीय पुलिस से कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली और स्थानीय पुलिस असहाय थी।^[49]

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस



सीएसटी की दीवार पर बुलेट के निशान

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पर दो बंदूकधारियों, इस्माइल खान और अजमल कसाब ने

हमला किया था।^[50] कसाब को बाद में पुलिस ने ज़िंदा पकड़ा और चश्मदीदों ने उसकी पहचान की। हमले लगभग 21:30 बजे शुरू हुए जब दो लोग यात्री हॉल में प्रवेश कर गए और आग लगा दी,^[51] एके -47 राइफल्स का उपयोग करते हुए।^[52] हमलावरों ने 58 मासूम लोग मारे और 104 मासूम घायल हो गए,^[52] इनका हमला 22:45 के आसपास खत्म हो गया।^[51] सुरक्षा बलों और आपातकालीन सेवाओं के बाद शीघ्र ही पहुंचे रेलवे घोषणकर्ता, श्री विष्णु दत्ताराम जेंडे ने घोषणा की, यात्रियों को स्टेशन छोड़ने के लिए सतर्क किया और कई ज़िंदगी बचायीं।^{[53][54]} दोनों बंदूकधारी घटनास्थल से भाग गए और सड़कों पर पैदल चलने वालों और पुलिस अधिकारियों पर गोलीबारी की,

जिसमें आठ पुलिस अधिकारी शहीद हो गए। हमलावरों ने एक पुलिस स्टेशन को पार कर दिया। यह जानते हुए कि वे भारी हथियारबंद आतंकवादियों से मुकाबला नहीं कर सकते थे, स्टेशन पर पुलिस अधिकारियों ने, आतंकवादियों के सामने आने के बजाय, रोशनी बंद करने और द्वार को सुरक्षित करने का फैसला किया। फिर हमलावरों ने रोगियों को मारने के इरादे से कामा अस्पताल की ओर रुख किया,^[55] लेकिन अस्पताल के कर्मचारियों ने सभी रोगी वार्डों को लॉक कर दिया। मुंबई के आतंकवादी निरोधी दल की टीम ने पुलिस प्रमुख श्री हेमंत करकरे की अगुआई में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस की जांच का नेतृत्व किया और फिर कसाब और खान की तलाश में निकल दिये।

आतंकी कसाब और खान ने अस्पताल के बगल में एक गली में वाहन पर आग लगा दी थी, और प्रतिक्रिया में उनपे गोलीबारी की गई। श्री करकरे, श्री विजय साळसकर, श्री अशोक कामटे और उनके एक अधिकारी शहीद हो गए। एकमात्र जीवित, कांस्टेबल श्री अरुण जाधव गंभीर रूप से घायल हो गए थे।^[56] कसाब और खान ने पुलिस के वाहन को जब्त कर लिया, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया और एक यात्री गाड़ी को जब्त कर लिया। तब वे पुलिस रोडब्लॉक की ओर चले गए, जिसे जाधव के मदद के लिए रेडियो कॉल के बाद स्थापित किया गया था।^[57] यहाँ गोलीबारी हुई जिसमें आतंकी खान मारा गया और कसाब घायल हो गया था। शारीरिक संघर्ष के बाद,

कसाब को गिरफ्तार कर लिया गया।^[58] एक पुलिस अधिकारी, श्री तुकाराम ओम्बले भी शहीद हो गए जब वह आतंकी कसाब के सामने पकड़ने के लिए चले गए।

लियोपोल्ड कैफे



बुलेट मार्क लियोपोल्ड कैफे में बचे हुए

दक्षिण मुंबई में कुलाबा कॉजवे पर एक लोकप्रिय रेस्तरां और बार, हमला का निशाना बनने वाली साइटों में से एक था।^[59] दो हमलावर आतंकी, शोएब उर्फ सोहेब और नाज़िर उर्फ अबू उमेर^[50] ने 26 नवंबर की शाम कैफे पर फायरिंग कर दी, कम से कम 10 मासूम लोग मारे गए, (कुछ विदेशियों सहित), और कई अधिक घायल हो गए।^[60]

टैक्सियों में बम विस्फोट

टाइमर बम के कारण दो टैक्सियों में विस्फोट हुए थे। विले पार्ले में पहली बार 22:40 बजे जिसमें मासूम ड्राइवर और मासूम यात्री मारे गए, दूसरा विस्फोट वाडी बंदर में 22:20 और 22:25 के बीच हुआ। टैक्सी के चालक सहित तीन मासूम लोग मारे गए, और लगभग 15 अन्य घायल हुए।^{[17][61]}

ताज होटल और ओबेरॉय ट्राइडेंट



क्षतिग्रस्त ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल



ताज होटल की पहली मंजिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी थी।

दो होटल, ताज महल पैलेस होटल और ओबेरॉय ट्राइडेंट, चार लक्षित स्थानों में से थे। ताज होटल में छः विस्फोटों की सूचना दी गई थी - लॉबी में एक, लिफ्ट में दो, रेस्तरां में तीन और ओबेरॉय ट्राइडेंट में एक।^{[62][63]}

ताज में, अग्निशामकों ने पहली रात के दौरान सीढ़ी के उपयोग से 200 बंधकों को खिड़की से बचाया।

सीएनएन ने शुरू में 27 नवंबर 2008 की सुबह खबर दी थी कि ताज होटल में बंधक की स्थिति का समाधान किया गया था और महाराष्ट्र के पुलिस प्रमुख का हवाला देते हुए कहा था कि सभी बंधकों को मुक्त कर दिया गया था;^[64] हालांकि, उस दिन बाद में पता चला कि वहां अभी भी विदेशियों सहित बंधकों को पकड़ने वाले दो हमलावर थे।^[65]

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधियों की यूरोपीय संसद समिति कुछ संख्या में ताज होटल में रह रही थी, जब उस पर हमला किया गया था,^[66] लेकिन उनमें से कोई

भी घायल नहीं हुआ था।^[67] यूरोपीय संसद के ब्रिटिश कन्जर्वेटिव सदस्य (एमईपी) सज्जाद करीम (जो लॉबी में थे जब हमलावरों ने शुरूआत में आग लगा दी थी) और जर्मन सोशल डेमोक्रेट एमईपी एरिका मान इमारत के विभिन्न हिस्सों में छिप रहे थे।^[68] इसके अलावा स्पैनिश एमईपी इग्नासी गार्डन्स भी उपस्थित थे, जिन्हें होटल के कमरे में बाड़ दी गयी थी।^{[69][70]} एक और ब्रिटिश कंज़र्वेटिव एमईपी सैयद कमल ने बताया कि उन्होंने कई अन्य एमईपी के साथ होटल छोड़ दिया और हमले से पहले एक पास के रेस्तरां में गए।^[68] कमल ने यह भी बताया कि पोलिश एमईपी जान मासीएल को अपने होटल के कमरे में सोता हुआ सोचा था, जब हमले शुरू हुए, लेकिन अंततः उनके द्वारा

होटल को सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। कमल और गार्डन्स ने बताया कि एक हंगरीयाई एमईपी के सहायक को गोली मार दी गई थी।^[71] ^[68]^[72] ओबेरॉय ट्राइडेंट में केरल के भारतीय सांसद एन एन कृष्णादास और ताज होटल में एक रेस्तरां में रात का खाना खाने के दौरान, मैड्रिड के राष्ट्रपति एस्पेरान्ज़ा एगुइरे भी गोलीबारी में फस गए थे।^[72]^[73]^[74]

नरिमन हाउस

नरीमन हाउस, कुलाबा में एक चाबाद लुबाविच यहूदी केंद्र, मुंबई चाबाद हाउस के रूप में जाना जाता है, दो हमलावरों ने कब्जा कर लिया था और कई निवासियों

को बंधक बना दिया गया था।^[75] पुलिस ने आसपास की इमारतों को खाली किया और हमलावरों के साथ मुठभेड़ की, जिसमें एक घायल हो गया। स्थानीय निवासियों को अंदर रहने के लिए कहा गया हमलावरों ने एक ग्रेनेड को पास के लेन में फेंक दिया, जिसके कारण कोई हताहत नहीं हुआ। एनएसजी कमांडो दिल्ली से आए और नौसेना के हेलीकॉप्टर ने हवाई सर्वेक्षण किया। पहले दिन के दौरान, 9 बंधकों को पहली मंजिल से बचाया गया था। अगले दिन, एनएसजी कमांडो ने हेलीकॉप्टर से छत पर फास्ट रोपिंग करके अन्दर घुस गए। उन्हें आसपास के भवनों में स्थित स्नाइपर द्वारा कवर किया गया। लंबी लड़ाई के बाद, एक एनएसजी कमांडो हवलदार गजेन्द्र सिंह

बिष्ट जी शहीद हुए और दोनों नापाक अपराधी मारे गए।^{[76][77]} हमलावरों द्वारा घर के अंदर चार अन्य बंधकों के साथ छः महीने की गर्भवती रिवेका होल्त्ज़बर्ग और उनके पती रब्बी गेबरीयल होल्त्ज़बर्ग की हत्या कर दी गई थी।^[78]

^{[79][80]}



फास्ट रोपिंग द्वारा नरीमन हाउस की छत पर हमला शुरू करते

एनएसजी कमांडो।

एनएसजी छापे

हमलों के दौरान दोनों होटल रैपिड एक्शन फोर्स के कर्मियों और समुद्री कमांडो (एमएआरसीओएस) और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) कमांडो से घिरे हुए थे। जब रिपोर्ट को उभारा तब हमलावर [81] टीवी प्रसारण प्राप्त कर रहे थे, इस कारण होटल के लिए फ़ीड अवरुद्ध कर दिया गया था। सुरक्षा बल पर हमला किया और 29 नवंबर की सुबह तक सभी 9 हमलावरों की मौत हो गई थी। कमांडो सुनील यादव की बचाव के दौरान शहीद हुए जबकि एनएसजी के मेजर संदीप

उन्नीकृष्णन भी शहीद हुए, जिनको ताज में बचाव कार्य के दौरान बुलेट लग गयी थी । ओबराय ट्राइडेंट में कुल 32 लोग मारे गए थे।

रोपण

पाकिस्तान के साथ वार्ता

जांच

विधि

हमलावर

गिरफ्तारियां

हताहत और क्षतिपूर्ति

बाद में

सैनिकों की हलचल

प्रतिक्रिया

परीक्षण

कसाब की सुनवाई

पाकिस्तान में

संयुक्त राज्य अमेरिका में

स्मारक

घटना की पहली वर्षगांठ पर, राज्य ने हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। फोर्स वन - महाराष्ट्र सरकार द्वारा बनाई गई एक नई सुरक्षा बल-नरीमन प्वाइंट से चौपाटी तक एक परेड का आयोजन किया। विभिन्न स्थानों पर जहां अन्य हमलों हुए, वहां अन्य स्मारक और मोमबत्ती को रोशन भी किया गया।^[82]

इस घटना की दूसरी वर्षगांठ पर पीड़ितों को फिर से श्रद्धांजलि दी गई।^[83]

घटनाक्रम

सूत्रों की मानें तो शहर के अलग-अलग स्थानों पर आतंकवादियों के १६ गुट मौजूद हैं और संयुक्त रूप से वारदात को अंजाम दे रहे हैं। मुम्बई जनरल रेलवे के पुलिस आयुक्त एके शर्मा ने बताया एके ४७ राइफल और ग्रेनेड से लैस कुछ आतंकवादी भीड़भाड़ वाले छात्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसटी) रेलवे स्टेशन के यात्री हाल में प्रवेश कर गए और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी और हथगोले फेंके। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा सीएसटी में हुई घटना में एक पुलिसकर्मी समेत १० लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ संदिग्ध आतंकवादी

आरक्षण काउंटर के बाहर से सीएसटी में प्रवेश कर गए और उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।^[84] इसके बाद आतंकवादी होटल ताज, होटल ओबेराय और नरीमन हाउस में छुपकर लगातार विस्फोट और गोलीबारी कर रहे हैं।



Facade of the Taj Mahal hotel where hostages were held

इन आतंकवादी हमलों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने २०० एनएसजी कमांडो, सेना के ५० कमांडो और सेना की पाँच टुकड़ियाँ भेजी हैं। केंद्रीय गृहमंत्री शिवराज पाटिल ने देर रात दिल्ली में पत्रकारों से हुई चर्चा में बताया कि सेना और नौसेना को तैयार रहने को कहा गया है।^[85]

२६ नवम्बर की रात होटल ताज में छुपे हुए आतंकवादियों से मुठभेड़ प्रारंभ हुई। २७ नवम्बर की सुबह होटल ओबेरॉय तथा २८ नवम्बर की सुबह राष्ट्रीय सुरक्षाबल के कमांडो नरीमन हाउस में आतंकवादियों का सामना करने पहुँच चुके थे। सबसे पहले होटल ओबेरॉय का आपरेशन २८ नवम्बर की दोपहर को

समाप्त हुआ, शाम तक नरीमन हाउस के आतंकवादी मारे गए थे लेकिन होटल ताज के आपरेशन को अंत तक पहुँचाने में २९ की सुबह तक का समय लगा।

शनिवार सुबह से कमांडो कार्रवाई खासी तेज़ आई और कई धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। भीषण गोलीबारी भी हुई। इमारत के चारो ओर विशेष तौर पर ग्राउंड फ़्लोर के आसपास काला धुँआ फैल गया और चारों ओर कमांडो नज़र आने लगे। होटल में भीषण धमाके और गोलीबारी हुई। सुरक्षाकर्मियों ने वहाँ मौजूद सभी पत्रकारों को आदेश दिया - "लेट जाओ...लेट जाओ..." लेकिन कुछ मिनट बाद घटनास्थल शांत हो गया। धमाकों और और गोलीबारी

के बाद टीवी चैनलों ने एक शव को इमारत से बाहर फेंके जाते दिखाया। बाद में पुष्टि की गई है कि यह शव एक आतंकवादी का था।^[86] ५८ घंटे बाद शनिवार सुबह ताज होटल में चल रही सुरक्षा बलों की कार्रवाई खत्म हो गई। इसमें तीन आतंकवादी और राष्ट्रीय सुरक्षा बल के एक मेजर मारे गए। होटल की तलाशी का अभियान अभी जारी है।

आतंकस्थल

घटनास्थल	आक्रमण के प्रकार
<u>छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन</u>	गोलीबारी, हथगोले
<u>दक्षिण मुंबई पुलिस मुख्यालय</u>	गोलीबारी ^[87]
<u>लियोपोल्ड कैफ़े, कोलाबा</u>	गोलीबारी
<u>ताजमहल पैलेस एंड टॉवर होटल</u>	गोलीबारी, दस से अधिक विस्फोट, ऊपरी मंज़िल में आग ^[88]
<u>ऑबेराय ट्रिडेंट होटल</u>	गोलीबारी, विस्फोट, बंधक, आगजनी
<u>मज़गाँव डॉक</u>	विस्फोट, गोलाबारूद के साथ नौका पकड़ी गई
<u>कामा अस्पताल</u>	गोलीबारी, बंधक ^[89]
<u>नरीमन हाउस</u>	गोलीबारी, धरपकड़ ^[90] , बंधक। ^[91]
<u>विले पार्ले उपनगर, उत्तर मुंबई</u>	कार में बम विस्फोट ^[92]
<u>गिरगाँव चौपाटी</u>	दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। ^[93]
<u>ताड़देव</u>	एक आतंकवादी को गिरफ़्तार किया गया है।

इन्हें भी देखे

हताहत

राष्ट्रीयता	मृत्यु	आहत
 भारतीय	१७८	६५७+
 अमरीकी	५ ^{[९४][९५]}	४
 इज़्रायली	५ ^[९६]	-
 ऑस्ट्रेलियाई	४ ^[९७]	२
 जर्मन	३ ^[९७]	३
 कनाडयाई	२ ^[९८]	२
 फ्रेंच	२ ^[९९]	-
 ब्रिटिश	१	७
 चीनी	१ ^[१००]	१ ^[९७]
 जापानी	१	१
 स्पेनिश	१ ^[१०१]	१ ^[९७]
 इतालवी	१	-
 जॉर्डन	१	-
 सिंगापुरी	१ ^[१०२]	-
 थाई	१ ^[१०३]	-
 ओमानी	-	२ ^[९७]
 फिलिपीनो	-	१ ^[१०४]
 फीनिश	-	१ ^[९७]
 नॉर्वेजियाई	-	१ ^[१०५]

इस गोलीबारी में पुलिस तथा आतंकविरोधी दस्ते के कुल मिलाकर ११ लोगों की मृत्यु हो चुकी है जिसमें अनेक अधिकारी हैं। आतंकविरोधी दस्ते के प्रमुख हेमंत करकरे^{[106][107]}, मुठभेड़ विशेषज्ञ उप निरीक्षक विजय साळस्कर^[108] अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अशोक कामटे^{[109][110]} अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सदानंद दाते^[111] तथा राष्ट्रीय सुरक्षा बल के मेजर कमांडो संदीप उन्नीकृष्णन^[112], निरीक्षक सुशांत शिंदे, सहायक उप निरीक्षक-नानासाहब भोंसले, सहायक उप निरीक्षक-तुकाराम ओंबले, उप निरीक्षक- प्रकाश मोरे, उप निरीक्षक-दुदगुड़े, कांस्टेबल-विजय खांडेकर, जयवंत पाटिल, योगेश पाटिल, अंबादोस पवार तथा एम.सी. चौधरी के शहीद होने के समाचार हैं।^[113]